शुभसन्देश कहानी पुस्तक परियोजना

उद्देश्य: दिलचस्प वर्कशॉप, आत्म-अन्वेषण, रचनात्मक अभिव्यक्तियों और *शुभसन्देश कहानी पुस्तक* परियोजना के द्वारा शुभसन्देश के सत्य के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने की प्रक्रिया में सहभागी होने के लिए बच्चों का सशक्तीकरण।

प्राथमिक लक्ष्य: बच्चे (और युवा)।

अप्राथमिक लक्ष्य: वयस्क।

बच्चे: बच्चे अत्यन्त मूल्यवान हैं और उनकी अपनी आवश्यकताएँ, अधिकार और जिम्मेदारियाँ होती हैं। कोई भी समाज अपने बच्चों के साथ जैसा व्यवहार करता है, उससे उस समाज के स्वास्थ्य का अनुमान लगाया जा सकता है, क्योंकि बच्चे समाज के सबसे निर्बल तथा निशाने पर रहने वाले अंग होते हैं।

अत्याचार के कारण (आत्मिक, मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से) साधनविहीन लोग अशक्त हो जाते हैं, सम्बन्ध टूट जाते हैं और उनकी छवि धूमिल पड़ जाती है। इससे अन्तरात्मा को आघात पहुँचता है और यह साधनविहीनता को गहन करने का कारक बन जाता है। वे झूठ के जाल में फँसते चले जाते हैं और इसके परिणामस्वरूप आने वाला डर उनके जीवन का आधार बन जाता है।

बच्चों और वयस्कों को शुभसन्देश के सत्य (कि वे परमेश्वर के स्वरूप में सृजे गए हैं) में शामिल कर लेने और स्वयं को तथा इस सत्य को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करने में सक्षम बनाने से वे परिवर्तन प्रक्रिया में सहभागी बन जाते हैं। शुभसन्देश पाठकों के एक स्थानीय समुदाय का निर्माण करने से न केवल उनकी धूमिल छवि पूर्वावस्था में आ जाती है बल्कि *शुभसन्देश कहानी पुस्तकों* तथा साक्षरता अभियानों के माध्यम से शुभसन्देश समाज में विस्तृत रूप से प्रसारित भी होता है। शुभसन्देश पर अपने दैनिक जीवन के सन्दर्भ में स्वामित्व प्राप्त करने और दूसरों को भी ऐसा ही करना सिखाने के लिए समाज को सशक्त भी किया जाता है।

'बच्चों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जब उन्हें शामिल किया जाता है तो वे अपने आस-पास के संसार में एक भिन्नता ला सकते हैं। उनके पास ऐसे सुझाव, अनुभव और ऐसी समझ होती है जिससे वयस्कों को बहुत लाभ पहुँचता है और वे वयस्कों के कामों में एक सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।' रवि जयाकरण1

शुभसन्देश पाठक: कालानुक्रमिक बाइबल कहानियाँ साक्षरता अभियान में शिक्षा प्राप्त कर रहे पाठक के दृष्टिकोण से बताने से ये सीधा उनकी वर्तमान धारणाओं पर प्रभाव डालती हैं। छोटे वाक्य उपयोग करने, शब्दों को दोहराने और जनजातीय बच्चों के उदाहरण देने से *शुभसन्देश कहानी पुस्तकें* शुभसन्देश को स्थानीय रूप दे देती हैं, जिससे अशक्त सशक्त हो जाते हैं।

यीशु प्रेम करता है: संसार से

कार्य पद्धति:

शुभसन्देश कहानी पुस्तक कार्यक्रम पुस्तिका में 16 पाठ हैं जो *शुभसन्देश कहानी पुस्तक* की 16 कहानियों (6 पुस्तकों की श्रंखला) से सीधे जुड़े हुए हैं और शुभसन्देश के सत्य को दिलचस्प तरीकों (खेल, कहानियाँ, नाटिका, ऐक्शन गीत, कोई वस्तु दिखाकर सिखाया जाने वाला पाठ और चित्रकारी) के माध्यम से सुनाए जाते हैं। यह कार्यक्रम उत्तर तथा दक्षिण भारत के ग्रामीण और शहरी स्थानीय अगुवों और बच्चों के साथ काम करने के अनुभव से तैयार हुआ है।

प्रमुख भाषाओं में अनुवाद हो चुकीं शुभसन्देश कहानी पुस्तकें सुसमाचार को स्वदेशी रूप दे देती हैं जो अशक्त को सशक्त बना देता है।

अपेक्षित परिणाम:

शुभसन्देश कहानी पुस्तक और *शुभसन्देश कहानी पुस्तक कार्यक्रम पुस्तिका* के माध्यम से करोड़ों बच्चे यीशु को जानें।

शुभसन्देश कहानी पुस्तक और *शुभसन्देश कहानी पुस्तक कार्यक्रम पुस्तिका* का उपयोग करते हुए सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त तथा प्रभावशाली रीति से शुभसन्देश सुनाने के लिए पासबान, प्रचारक, उपदेशक, माता-पिता और स्वैच्छिक सेवक सशक्त किए जाएँ।

शुभसन्देश को स्थानीय रूप में सुनने से परिवारजन और आस-पास के लोग यीशु को स्वीकार करें।

धूमिल छवि को सुधारने और टूटे सम्बन्धों को जोड़ने का काम हो। बच्चों और वयस्कों को एक दूसरे के प्रति उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों तथा बच्चों के ज्ञान और सहयोग के मूल्य को पहचानने में सहायता की जाए।

प्रशिक्षण:

परमेश्वर का राज्य प्रशिक्षण सेमिनार निवेदन पर ही आयोजित किया जाता है। परमेश्वर का राज्य प्रशिक्षण सेमिनार में पासबानों, प्रचारकों, उपदेशकों, माता-पिता, बच्चों और स्वैच्छिक सेवकों को दिलचस्प रीति से रचनात्मक तरीके का उपयोग करते हुए बाइबल की कहानियाँ सुनाने और चित्रकारी तथा कहानी के माध्यम से शुभसन्देश सुनाने के लिए दूसरों को तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

सम्पर्क करें:

Vicki Williamson Email: vicki@jesuslovestheworld.info
Phone: +61 417 037 234 (Australia) +91 90424 96771 or +91 77519 94073 (India)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

World Bible Translation Centre (WBTC) India, P.O. Box 8478, Bangalore 560084.
Email: info@wbtcindia.com Subject: *The Good News Storybooks.*